बाबा की खाटू नगरी | By Kumari Gunjan

जाने कितनो की किस्मत यहाँ आके संवरी है
तिहुँ लोक में वो कोई और नहीं मेरे बाबा की खाटू नगरी है

जबसे मैं खाटू जाने लगा
बदली है मेरी ये ज़िन्दगी
बाबा ने अपनी शरण ले लिया
चरणों की मुझको मिली बंदगी
उलझन हो चाहे जैसी यहाँ आके सुलझी है
तिहुँ लोक में वो कोई और नहीं
मेरे बाबा की खाटू नगरी है

खाटू की भूमि पावन बड़ी
करती है सारी सृष्टि नमन
बाबा का दर्शन पाने से
पावन हो जाता तन और मन
कुछ बात है खाटू जी में
सारी दुनिया उमड़ी है
तिहुँ लोक में वो कोई और नहीं
मेरे बाबा की खाटू नगरी है

जिसका सहारा कोई नहीं
पग पग पे जिसके दुश्मन खड़े
बेबस बेचारे मजबूर वो
उनकी लड़ाई बाबा लाडे
मोहित भक्तों की बगिया
यहाँ खुशियों से निखरी है
तिहुँ लोक में वो कोई और नहीं
मेरे बाबा की खाटू नगरी है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a8%e0%a4%97%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-kumari-gunjan/